केवल आप के लिये

गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम

सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती

www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क

मो० 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 272 सोमवार 27 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम के निरीक्षण में सामने आया सच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। खेल निदेशालय की उप निदेशक मुद्रिका पाठक ने शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम का निरीक्षण किया। शिकायत मिलने के बाद किए गए इस निरीक्षण में निर्माण और मरम्मत कार्यों में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

उप निदेशक ने स्टेडियम परिसर में बच्चों के लिए बन रहे भोजन स्थल का जायजा लिया। उन्होंने एक लंबे समय से बंद पड़े कमरे का ताला तुड़वाकर अंदर की स्थिति की भी जांच की। निरीक्षण में सामने आया कि पिछले वर्ष हुए जीर्णोद्धार कार्य अनुमान के अनुरूप नहीं थे, और पवेलियन भवन के नीचे प्रस्तावित नवीनीकरण कार्य अधूरा पड़ा था।

निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद मजदूरों ने कई महीनों से भुगतान न मिलने की शिकायत की। उप निदेशक ने लगभग 50 हजार रुपये के इस बकाये का संज्ञान लेते हुए जिम्मेदारों की पहचान कर भुगतान सुनिश्चित कराने या वैकल्पिक व्यवस्था कर श्रमिकों का बकाया दिलाने के निर्देश दिए।

जांच में खेलो इंडिया योजना के तहत प्राप्त किट की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे। उप निदेशक ने आवश्यकता पड़ने पर किट वापस भेजने और पुनः वितरण की बात कही। इसके अतिरिक्त, लगभग 2 लाख रुपये की टीवी खरीद दर्शाई गई थी, लेकिन मौके पर कोई टीवी स्थापित नहीं मिली।

उप निदेशक मुद्रिका पाठक ने बताया कि वह यहां रूटीन जांच के लिए आई थीं। उन्होंने कहा कि सामने आई सभी कमियों से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे प्रकरण में करीब 4.85 करोड़ रुपये से जुड़े कार्यों की जांच की जा रही है, और शेष कार्यों को पूरा कराने तथा मजदूरों के भुगतान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनन में जेसीबी, ट्राली सीज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस और खनन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई की है। खम्हरिया गांव में छापेमारी के दौरान मिट्टी का अवैध खनन करते पाए गए एक जेसीबी मशीन और एक ट्रैक्टर–ट्रॉली को जब्त कर सीज कर दिया गया।

यह कार्रवाई थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस बल क्षेत्र में गश्त कर रहा था, तभी मुखबिर से खम्हरिया गांव में अवैध मिट्टी खनन की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को आता देख खनन स्थल पर मौजूद लोग वाहन छोड़कर फरार हो गए। मौके पर एक जेसीबी मशीन से ट्रैक्टर–ट्रॉली में मिट्टी लादी जा रही थी। पुलिस ने तत्काल इसकी सूचना जिला खनन अधिकारी को दी। इसके बाद पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने जेसीबी और मिट्टी से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली को कब्जे में ले लिया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों वाहनों को सुरक्षित वाल्टरगंज थाना परिसर लाया गया।

ट्रंप पर गोली चलाने वाले थॉमस एलेन से पूंछताछ

वॉशिंगटन डीसी (आभा)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित 'वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन' के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को निशाना बनाने वाले शूटर को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित 'वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन' के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को निशाना बनाने वाले शूटर को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक हमलावर की पहचान कैलिफोर्निया के टोरेंस निवासी 31 वर्षीय कोल

थॉमस एलेन के रूप में हुई है। बताया जाता है कि थॉमस के पास, शॉटगन, हैंडगन और कई तरह के चाकू थे। एलेन ने न सिर्फ काफी पढ़ा–लिखा है, बल्कि वह नासा का फेलो भी रह चुका है। आइए जानते हैं थॉमस एलेन के बारे में सबकुछ।

कई अनवेरिफाइड सोशल मीडिया हैंडल्स और लिंक्डइन पर एलेन को मैकेनिकल इंजीनियर, कंप्यूटर साइंटिस्ट और गेम डेवलपर बताया गया है। इसके अलावा वह लॉस एंजिलिस में पार्ट टाइम टीचर भी रहा है। ऑनलाइन उपलब्ध प्रोफाइल के मुताबिक एलेन कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से ग्रेजुएट है। वहां पर उसने 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री ली थी। बाद में उसने कैलिफोर्निया से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स की डिग्री हासिल की थी। वह कैलटेक का पूर्व छात्र रह चुका है और विश्वविद्यालय की 'ब्लिट्जक्रेग बॉट्स' रोबोटिक्स टीम से जुड़ा था। इस टीम ने 2016 में रोबोटिक वाहन डिजाइन प्रतियोगिता जीती थी।

इसके अलावा एलेन का जुड़ाव नासा से भी रहा है। वह नासा के जेट प्रोपल्शन लैबोरेटरी में एक समर अंडरग्रेजुएट रिसर्च फेलोशिप में भी भाग लिया।

मोटरसाइकिल के सामने से टक्कर में बेटा घायल, मां की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, (बस्ती)। देवी पाटन से दर्शन कर मोटरसाइकिल से घर लौट रही मां और बेटा मोटरसाइकिल का शिकार हो गया। जिसमे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानिक लोगो ने एम्बुलेंस से सीएचसी ले गए जहाँ उपचार के दौरान महिला की मौत हो गयी और युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

लालगंज थाना क्षेत्र के डिहुकपुर उर्फ शुक्तलपुरा निवासी संतराम पुत्र रामराज ने प्रभारी निरीक्षक लालगंज को प्रार्थना पत्र दे कर बताया कि मै अपने ननिहाल में रहता हूं। शनिवार की देर रात ममेरे भाई मनोज विश्वकर्मा पुत्र स्व बुद्धिराम अपने मां 61 वर्षीय आरती देवी के साथ देवीपाटन दर्शन करने गये थे। देर रात कुदरहा पंहुचे और वहां रखे मोटर साइकिल से घर जा रहे थे। चकिया गांव के पास रामजानकी मार्ग पर पहुंचे ही थे कि धनघटा की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही मोटर सवार तीन युवकों ने सामने से ठोकर मार दिया। जिसमें

गंभीर रुप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरहा (बनहरा) पहुचाये। वहां इलाज के दौरान मामी आरती देवी की मौत हो गयी। जब कि ममेरे भाई का जिलास्पताल में उपचार चल रहा है। लोगों ने बताया कि तीनों युवक नशे में धुत थे। जिससे नाम व पता नही बता पाये।

चौकी प्रभारी कुदरहा उमेश सिंह ने बताया कि दोनों मोटर साइकिल को कब्जे मे लेकर शव को पीएम के लिये भेज दिया गया। दूसरे बाइक सवार का अभी पता नही चला पाया है कहीं उपचार करा रहा है।

डीएम ने किया होमगार्ड परीक्षा का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद बस्ती में आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा की प्रथम पाली के दौरान जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने हंसराज इंटर कॉलेज गणेशपुर तथा श्री देशराज नारंग दयानंद इंटर कॉलेज गोविंद नगर वाल्टरगंज का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा कक्षों में जाकर अभ्यर्थियों की उपस्थिति, प्रवेश जांच, प्रश्नपत्र वितरण एवं सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता न होने दी जाए।

जिलाधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियो को निर्देशित किया कि वे पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से परेशान हैं नागरिक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बांसी (सिद्धार्थनगर) । बांसी क्षेत्र के उपकेन्द्र महरवाजोत पावर हाउस से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति समय से न किये जाने के कारण नागरिकों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले तीन दिनों से "रोस्टिंग" के नाम पर लगातार रात्रिकालीन बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी के इस समय में रात के समय बिजली न रहने से लोग परेशान हैं, खासकर छोटे बच्चे, बुजुर्ग और मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दिनभर की थकान के बाद जब लोग रात में आराम करने जाते हैं, उसी समय घंटों बिजली गुल कर दी जाती है। इससे न केवल नींद प्रभावित हो रही है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं।

वहीं दूसरी ओर, बिजली विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर भी

सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि अधिकारी एसी कमरों में बैठकर आराम फरमा रहे हैं और आम जनता की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

ग्रामीणों और नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह की अनियमित और असमय बिजली कटौती पर तुरंत रोक लगाई जाए तथा रोस्टिंग का समय निर्धारित कर जनता को पूर्व सूचना दी जाए, ताकि लोग अपने दैनिक कार्यों की योजना बना सकें।यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो क्षेत्रीय जनता आंदोलन करने को मजबूर होगी।

भाजपा मण्डल अध्यक्ष को सम्मानित कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर)। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष मिठवल श्रवण कुमार चौधरी को सहकारी बैंक के जिलाध्यक्ष कुंवर विक्रम सिंह के आवास पर सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया।

उपस्थित लोगों ने कहा कि निश्चित रूप से श्रवण कुमार चौधरी पूरी निष्ठा से दायित्वों का निर्वहन करेंगे। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मंडल स्तर पर भारतीय जनता पार्टी और अधिक सशक्त होगी और संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नारी आक्रोश मार्च में उमड़ी महिलायें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज मण्डल के महाराजगंज कस्बे में रविवार को नारी आक्रोश मार्च का आयोजन किया गया, इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपने हक, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता का सशक्त परिचय दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा रहे, जबकि आयोजन का नेतृत्व साबित तिवारी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शालिनी मिश्रा, शिवानी सिंह, मीना पाण्डेय तथा अनिता अग्रहरी सहित कई प्रमुख महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। उन्होंने एकजुट होकर समाज में अपनी भूमिका को मजबूत करने और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद की।

नारी आक्रोश मार्च महाराजगंज कस्बे से प्रारम्भ होकर हनुमान मंदिर तक निकाला गया। पूरे मार्ग में महिलाओं ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी एवं अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए अपना

आक्रोश व्यक्त किया। महिलाओं का कहना था कि विपक्षी दलों ने सदैव नारी शक्ति की उपेक्षा की है और उनके अधिकारों को नजरअंदाज किया है, जिसके विरोध में अब महिलाएं खुलकर सामने आ रही हैं।

मुख्य अतिथि अमृत कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में 33: आरक्षण का प्रावधान एक ऐतिहासिक कदम है। इसके तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33: सीटें आरक्षित होंगी। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व मात्र 13.6: है, जिसे यह कानून बढ़ाकर 33: तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की आधी आबादी को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर, उन्हें और अधिक सशक्त बनाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित महिला नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की महिला जागरूक है और अपने अधिकारों के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है।

इस अवसर पर जगदीश अग्रहरी, ब्राह्मदेव यादव देवा, गौरव मणि त्रिपाठी, अखिलेश शुक्ल सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। यह नारी आक्रोश मार्च क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने नारी शक्ति की बढ़ती ताकत का स्पष्ट संदेश दिया।

सभी तहसीलों में होंगे विकास कार्य, सरकार ने लोक निर्माण विभाग से मांगे प्रस्ताव

लखनऊ (आभा)। योगी सरकार ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को सभी तहसीलों में विकास कार्य कराने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। यह प्रस्ताव तैयार करके 15 मई तक प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग के पास भेजना है। कार्य योजना बनाने की तैयारी अभियंताओं ने शुरू कर दी है। प्रस्ताव पास होने पर निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए प्रमुख सचिव पीडब्लूडी ने जिले के तीनों खंड के अधिशाषी अभियंताओं की साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने तीनों अधिकारियों से जिले की सभी तहसीलों में सड़क, पुल के साथ ही अन्य निर्माण कार्यों की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए

थे। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी छह तहसीलों से कम से कम तीस विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करके मुख्यालय को भेजा जाए। यह प्रस्ताव प्रत्येक दशा में 15 मई तक मुख्यालय पहुंच जाएं। लोक निर्माण विभाग के तीनों खंड के अधिकारी अपने अधीन आने वाली तहसीलों में विकास कार्यों को लेकर कार्य योजना तैयार करने में जुट गए हैं। अधिकारी इसके लिए तहसीलों में भी सम्पर्क करके नई सड़कों के साथ ही ऐसे गांव की सूची तैयार कर रहे जहां तक जाने के लिए पक्की सड़कें नहीं बनी हैं। इसक सूची तहसील के माध्यम से ले रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड के पास सदर, महराजगंज और आंशिक हरचंदपुर की तहसील क्षेत्र है। प्रांतीय खंड के अधिकारी विधायकों के माध्यम से विकास योजना तैयार करने में लगे हैं। जबकि निर्माण खंड एक के पास आंशिक सदर के साथ ऊंचाहार, सलोन और डलमऊ तहसील है। निर्माण खंड दो के पास लालगंज, आंशिक हरचंदपुर और डलमऊ तहसील का कुछ भाग है।

193 रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेडः पुलिस उप महानिरीक्षक संजीव त्यागी ने लिया सलामी, दिलाया शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार को रिक्रूट आरक्षी दीक्षांत परेड समारोह 2025–26 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी ने मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की उपस्थिति में परेड की सलामी ली। कुल 193 रिक्रूट आरक्षियों ने अपना कठिन प्रशिक्षण पूरा करने के बाद शानदार परेड का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे हुई, जब परेड कमांडर के नेतृत्व में टोलियां मैदान में आईं। मुख्य अतिथि ने सुसज्जित टुकड़ियों का निरीक्षण किया और सलामी स्वीकार की। इस दौरान आरक्षियों का अनुशासन, तालमेल और प्रशिक्षण की गुणवत्ता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। समारोह में राजीव कृष्णा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधान का सीधा प्रसारण भी किया गया। दोनों वक्ताओं ने पुलिस बल को

आधुनिक तकनीकों से लैस होने, संवेदनशीलता बनाए रखने और अपराध के प्रति कठोर रुख अपनाने का संदेश दिया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने प्रशिक्षण का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि रिक्रूट्स ने शारीरिक, मानसिक और तकनीकी स्तर पर कड़ा अभ्यास किया था। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में नवनियुक्त आरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन का पालन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट्स को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में सभी रिक्रूट आरक्षियों को देश सेवा, संविधान के प्रति निष्ठा और जनसुरक्षा की शपथ दिलाई गई। समारोह के समापन पर पुलिस अधीक्षक ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में क्षेत्राधिकारी लाइन्स संजय सिंह सहित अन्य अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बड़ी संख्या में आरक्षियों के परिजन और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे।

बिना किसी नोटिस के भू माफिया बताकर बीडीए ने ध्वस्त करा दिया चिन्हीकरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के जयपुरवा निवासी सुरेन्द्र कुमार चौधरी ने बस्ती विकास प्राधिकरण आरोप लगाया है। पत्रकारों से बातचीत में सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि उन्होंने गाटा सं० 77, 78 जो कि घरसोहिया में स्थित है का बैनामा लिया था जिसका सीमांकन बाउण्ड्री व चिन्हीकरण किया गया था। इस गाटे पर किसी तरह का कोई विवाद नहीं है। 23 अप्रैल 2026 को विकास प्राधिकरण द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के बुल्डोजर से चिन्हांकन को गिरा दिया गया। इस कार्यवाही को विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियन्ता हरिओम द्वारा कराया गया। पूछने पर उन्होंने नोटिस जारी करने की बात कही । जब नोटिस के बारे में पूछा गया तो गाटा संख्या 157/2, 157/3 की नोटिस दिखायी गयी है जिससे सुरेन्द्र चौधरी का कोई लेना देना नहीं है। सुरेन्द्र कुमार

–पीड़ित सुरेन्द्र ने कहा–न्याय न मिला तो जायेंगे अदालत

चौधरी ने पहले ही गाटा संख्या 77, 78 के ले आउट के सम्बन्ध में आवेदन किया है। उन्होने बताया कि अवैध मांग न पूरी करने के कारण ध्वस्तीकरण की कार्यवाही बिना किसी नोटिस के किया गया है।

उन्होने बताया कि उनकी वैध जमीन पर विकास प्राधिकरण द्वारा मनमानी कार्यवाही की गई। इस मामले से उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। उन्हें भू–माफिया बताया जा रहा है। कहा कि वे इस पूरे प्रकरण को जिलाधिकारी के समक्ष ले जायेगे और यदि बीडीए के दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध समुचित कार्यवाही न हुई तो वे हाई कोर्ट जायेंगे और सम्बंधित पर मानहानि का दावा भी करेंगे।

डिजिटल लाइब्रेरी सहित आधुनिक सुविधाओं से लैश होगा सरदार पटेल छात्रावास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को सरदार पटेल स्मारक संस्थान की बैठक डा. आर. पी. वर्मा की अध्यक्षता में छात्रावास के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में आय–व्यय की समीक्षा के साथ ही नये सत्र के लिये छात्रावास और पुस्तकालय को आधुनिक सुविधाओं से लैश करने पर विचार किया गया।

संस्थान के अध्यक्ष डा. आर. पी. वर्मा ने कहा कि समय के साथ संस्थान ने कई प्रगति किया है। चरणबद्ध ढंग से विकास के कार्य पूर्ण होंगे।

महामंत्री डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने बताया कि डिजिटल लाइबेरी का निर्माण प्रगति पर है। उन्होने समाज के लोगों से सहयोग का आग्रह करते हुये कहा कि सबके सहयोग से ही यह लक्ष्य पूरा होगा।

बैठक में मुख्य रूप से अमित चौधरी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रेमचन्द्र पटेल, भानु प्रताप चौधरी, चौधरी राजेश निराला, रामजी चौधरी, राम कृपाल चौधरी, राजमणि चौधरी, झिनकान चौधरी , रामकमल वर्मा, ई. श्यामलाल चौधरी, ई. विक्रम चौधरी, ई. राजेन्द्र चौधरी, राधेश्याम वर्मा, शीतला पटेल, कमलेश कुमार चौधरी, रोहित चौधरी, टी.आर. चौधरी, विद्यासागर चौधरी, डा. श्याम नरायन चौधरी, राकेश कुमार चौधरी आदि ने संस्थान के विकास के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिया। अंत में संस्थान के आजीवन सदस्य व्यौतहरा निवासी स्वामीनाथ चौधरी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता" –वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 अपैल 2026 सोमवार

सम्पादकीय

बढते हादसों पर कैसे हो नियंत्रण

इसमें दो राय नहीं कि विकास में पिछड़े देश के मैदानी क्षेत्रों से लेकर पहाड़ के दुर्गम इलाकों में भी अब सड़कों का जाल बिछ गया है, जिससे वहां का कठिन जनजीवन काफी हद तक आसान हो गया है। मगर सड़कों के निर्माण के साथ–साथ सुरक्षित सफर का पहलू भी बेहद महत्त्वपूर्ण है। इस मसले पर शासन–प्रशासन के दावों के बावजूद सड़क हादसे कम होने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं। उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल जिले के चंबा क्षेत्र में बीते गुरुवार को एक वाहन के गहरी खाई में गिरने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो जाने की घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा में खामियों और जोखिम को उजागर किया है। सवाल है कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन, सड़कों की समुचित देखरेख और निर्माण में कमियों पर गंभीरता से ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है? क्या सिर्फ कागजों में योजनाओं और उपायों का खाका खींचने भर से सड़क दुर्घटनाएं कम हो जाएंगी? इन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है?

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को सड़क से सफर सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए थे। शीर्ष अदालत का यह कहना बेवजह नहीं था कि जिन खामियों को दुरुस्त किया जा सकता है, अगर उनकी वजह से सड़क हादसों में एक भी जान जाती है, तो यह संबंधित राज्य एवं प्राधिकरण की सुरक्षा जिम्मेदारी में कमी और लापरवाही को दर्शाता है। पहाड़ी राज्यों में तो भौगोलिक जटिलताओं की दृष्टि से सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम ज्यादा होता है और ऐसे में वहां हर स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत होती है।

मगर शायद ही इस पर कोई विशेष ध्यान दिया जाता है और यही लापरवाही आए दिन पहाड़ी इलाकों में बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। बुनियादी सुरक्षा सावधानियों की कमी, सड़कों पर अतिक्रमण, ज्यादा जोखिम वाली जगहों पर पैराफिट की मजबूत घेराबंदी एवं निगरानी का अभाव खतरे को और ज्यादा बढ़ा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें सड़क सुरक्षा को लेकर मजबूत एवं प्रभावी तंत्र विकसित करे, ताकि मानव जीवन की रक्षा हो सके।

भारी मतदान के निहितार्थ

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के तहत गुरुवार को हुआ मतदान पार्टियों के बीच जीत के लिए जोर–आजमाइश या राजनीतिक खींचतान से ज्यादा डाले गए वोट के फीसद के लिए दर्ज किया जाएगा। निश्चित तौर पर यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र के एक पर्व के तौर पर देखे जाने वाले चुनाव और मतदान में ज्यादा से ज्यादा मतदाता हिस्सा लें। मगर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक जितने अधिकतम लोगों ने वोट डाले थे, इस बार के चुनाव में वह आंकड़ा पार कर गया। स्वाभाविक ही इसे लोकतंत्र के जीवन और आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता फैलने के रूप में देखा जा रहा है। मगर इसके समांतर कुछ अन्य सहायक कारक भी स्पष्ट हैं, जिनकी वजह से पात्र मतदाताओं ने दोनों राज्यों में जम कर वोट डाले। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव के पहले चरण में करीब तिरानबे फीसद लोगों ने मतदान किया, जबकि तमिलनाडु में पचासी फीसद से ज्यादा लोग घर से निकले और उन्होंने वोट डाले।

जाहिर है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों ने अगर मतदान किया है, तो इसके पीछे मुख्य कारण संवैधानिक अधिकारों के प्रति जनता के बीच फैली व्यापक जागरूकता है और यह देश के लोकतंत्र के लिए एक सुखद संकेत है। हालांकि पश्चिम बंगाल में होने वाले किसी भी चुनाव में मतदान का फीसद सामान्य तौर पर अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा रहता है, लेकिन इस बार का आंकड़ा अगर इतना ऊंचा गया है, तो इसकी वजह वहां के राजनीतिक माहौल में प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच आक्रामक खींचतान से पैदा हुआ उद्वेलन भी है, जिसने बहुत सारे लोगों को अपना वोट हर हाल में डालने को लेकर जागरूक किया।

तमिलनाडु में भी कमोबेश स्थिति यही रही। दिलचस्प यह है कि इन दोनों राज्यों के चुनावी गणित में अब तक भाजपा का कोई खास प्रभाव नहीं रहा है, लेकिन इस बार के चुनाव प्रचार में योजनाबद्ध तरीके से इसने जिस स्तर का दखल दिया, उसमें यह विपक्षी पार्टियों के विरोध का केंद्र बन गई। इस क्रम में आक्रामक चुनाव प्रचार अभियानों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ा, जिन्होंने अपने–अपने पक्ष के लिए मतदान में हिस्सेदारी को अपनी जिम्मेदारी माना।

इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव के पहले जिस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का अभियान चलाया और अपात्र मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया चली, उसमें बड़ी संख्या में लोगों के बीच किसी भी स्थिति में सूची में कायम रहने को लेकर फिक्र पैदा हुई।

यही वजह है कि एसआइआर की प्रक्रिया में मृत या विस्थापित हो चुके और अन्य कारणों से अपात्र माने गए लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद जो बचे रहे, उन्होंने इस बार पहले के मुकाबले वोट डालने को लेकर ज्यादा सजगता दिखाई।

दरअसल, इस सूची में मौजूदगी सुनिश्चित होना और मताधिकार का उपयोग करना भविष्य में नागरिक अधिकारों के सुरक्षित होने को लेकर एक आशंका से भी जुड़ा हो सकता है। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि मतदान के लिए पात्र माने गए लोगों ने अगर भारी संख्या में घरों से निकल कर अपने मतदान के हक का इस्तेमाल किया, तो यह न केवल जनता के बीच व्यापक जागरूकता का संकेत है, बल्कि देश के लोकतंत्र के मजबूत होते जाने का सूचक भी है।

राघव का घातक वार: आम आदमी पार्टी में बगावत

–अजय कुमार–

भारतीय राजनीति के फलक पर 2 अप्रैल 2026 को जो चिंगारी सुलगनी शुरू हुई थी, उसने 22 दिनों के भीतर एक ऐसी सियासी आग का रूप ले लिया है जिसमें अरविंद केजरीवाल की श्आम आदमी पार्टीश का राज्यसभा वाला किला लगभग ढह चुका है। यह महज कुछ सांसदों का दल–बदल नहीं है, बल्कि उस भरोसे और विचारधारा की सामूहिक हत्या है, जिसके दम पर एक दशक पहले अन्ना आंदोलन की कोख से यह पार्टी जन्मी थी। राज्यसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर रहे राघव चड्ढा की अगुवाई में सात सांसदों का एक साथ पाला बदलना दिल्ली से लेकर पंजाब तक की सियासत में वो भूकंप है, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता आने वाले कई सालों तक महसूस की जाएगी। ष्मैं घायल हूं, इसलिए घातक हूंष और ष्मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझनाष जैसे फिल्मी लगने वाले राघव के संवादों ने शुक्रवार को तब हकीकत का जामा पहन लिया, जब उन्होंने संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा का दामन थामने का एलान किया। यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में किसी भी क्षेत्रीय दल के लिए संभवतः सबसे बड़ा और संगठित विद्रोह है।

इस पूरे घटनाक्रम की पटकथा उस दिन लिख दी गई थी जब राघव चड्ढा को अचानक राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हाथ धोना पड़ा था। पार्टी ने अंदरूनी तौर पर उन पर निष्क्रियता और गतिविधियों से दूरी बनाने के आरोप मढ़े थे, लेकिन राघव के तेवर बता रहे थे कि वे किसी बड़े 'ऑपरेशन' की तैयारी में हैं। गौर करने वाली बात यह है कि इस बगावत में संदीप पाठक का नाम शामिल होना केजरीवाल के लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत झटका है। पाठक वही शख्स हैं जिन्हें श्आपश का चाणक्य कहा जाता था, जिन्होंने पंजाब की सत्ता की चाबी केजरीवाल के हाथ में सौंपी और पार्टी को राष्ट्रीय दल का दर्जा दिलाने के लिए पर्दे के पीछे से संगठन की मशीनरी तैयार की। जब संगठन का वास्तुकार ही इमारत ढहाने पर आमादा हो जाए, तो नेतृत्व की विफलता पर सवाल उठना लाजिमी है। इसके साथ ही स्वाति मालीवाल की भूमिका ने इस आग में घी का काम किया है। बिभव कुमार मामले के बाद जिस तरह स्वाति को अपनी ही पार्टी में अपमान और अलगाव का सामना करना पड़ा, उन्होंने उसे अपनी निजी अदावत बना लिया। आज जब वे राघव के साथ सुर में सुर मिला रही हैं, तो यह साफ है कि श्आपश के भीतर महिलाओं के सम्मान और आंतरिक लोकतंत्र को लेकर जो दावे किए जाते थे, उनकी कलई खुल चुकी है।

तकनीकी तौर पर देखें तो यह बगावत बहुत ही सधे हुए कानूनी दांव–पेच के साथ की गई है। राज्यसभा में 'आप' के कुल 10 सांसद थे, जिनमें से 7 का एक साथ अलग होना दल–बदल विरोधी कानून (एन्टी डिफेक्शन लॉ) के तहत अयोग्यता की तलवार को कुंद कर देता है। दो–तिहाई की यह संख्या राघव चड्ढा की उस रणनीतिक कुशलता को दर्शाती है, जिसका लोहा कभी खुद केजरीवाल मानते थे। राघव का यह कहना कि वे ष्गलत पार्टी में सही व्यक्तिष थे, न केवल केजरीवाल के नेतृत्व पर सीधा प्रहार है, बल्कि उन लाखों कार्यकर्ताओं के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है जो भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग का सपना लेकर इस पार्टी से जुड़े थे। जिस पार्टी ने 15 साल तक संघर्ष किया, उसका इस तरह ताश के पत्तों की तरह बिखरना यह बताता है कि सत्ता के गलियारों में पहुंचते ही 'आम' और 'खास' की लकीर धुंधली पड़ गई। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे नेतृत्व और जेल से सरकार चलाने की जिद ने शायद उन नेताओं को भी सोचने पर मजबूर कर दिया जो अब तक वफादारी का दम भर रहे थे।

पंजाब की सियासत के लिहाज से यह घटनाक्रम किसी सुनामी से कम नहीं है। बागी होने वाले सात में से छह सांसद पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान के लिए यह स्थिति बेहद असहज है, क्योंकि राघव चड्ढा को कभी पंजाब सरकार का 'रिमोट कंट्रोल' कहा जाता था। मान और चड्ढा के बीच का शीतयुद्ध जगजाहिर था, लेकिन अब यह आमने–सामने की जंग में बदल चुका है। भाजपा ने इन चेहरों को अपने पाले में कर न केवल राज्यसभा में अपनी ताकत 148 तक पहुंचा दी है, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भी एक मजबूत बिसात बिछा दी है। भाजपा, जो पंजाब में लंबे समय से एक मजबूत 'सिख चेहरे' और संगठन की तलाश में थी, उसे अब हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और विक्रमजीत सिंह साहनी जैसे रसूखदार लोगों का साथ मिल गया है। यह 'मिशन पंजाब' की वो शुरुआत है जिसने अरविंद केजरीवाल के राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को फिलहाल दिल्ली और पंजाब की सीमाओं में ही कैद कर दिया है। संजय सिंह और अन्य श्आपश नेता इसे 'ऑपरेशन लोटस' और केंद्रीय एजेंसियों का डर बताकर जनता की सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या केवल डर के दम पर इतने बड़े स्तर पर बगावत संभव है? अन्ना हजारे की उस टिप्पणी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता जिसमें उन्होंने कहा कि जब स्वार्थ समाज और देश से ऊपर हो जाता है, तो संगठन टूट जाते हैं। यह केजरीवाल की उस कार्यशैली का भी परिणाम है जिसमें उन्होंने धीरे–धीरे उन सभी पुराने चेहरों को किनारे कर दिया जिन्होंने उनके साथ धूल फांकी थी। योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, कुमार विश्वास और अब राघव–संदीप की यह फेहरिस्त बताती है कि पार्टी में असहमति के लिए कोई जगह नहीं बची है। स्वाति मालीवाल का यह आरोप कि उन्हें मुख्यमंत्री के घर पर पीटा गया और फिर उन्हें ही बदनाम करने की कोशिश की गई, पार्टी की नैतिक साख पर वो धब्बा है जो शायद ही कभी धुल पाए।

राज्यसभा सचिवालय में अब कानूनी लड़ाई शुरू होगी, सदस्यता रद्द करने की याचिकाएं डाली जाएंगी और मामला कोर्ट तक जाएगा। लेकिन राजनीति में जो धारणा (परसेप्शन) एक बार बन जाती है, उसे बदलना मुश्किल होता है। जनता के बीच अब यह संदेश जा चुका है कि जो पार्टी दूसरों को ईमानदारी का सर्टिफिकेट बांटती थी, उसके अपने घर में ही भारी अविश्वास का माहौल है। गुजरात निकाय चुनाव से ठीक पहले पार्टी के सोशल मीडिया पेजों का सस्पेंड होना और सांसदों का सामूहिक पलायन, 'आप' के लिए किसी 'परफेक्ट स्टॉर्म' जैसा है। केजरीवाल जो खुद को नरेंद्र मोदी के विकल्प के तौर पर पेश कर रहे थे, आज अपने सबसे भरोसेमंद सिपहसालारों को ही भाजपा के पाले में जाते हुए देखने को मजबूर हैं। यह पतन की शुरुआत है या फिर कोई नया सबक, यह तो वक्त तय करेगा, लेकिन फिलहाल इतना तय है कि 'झाड़ू' की तीलियां बिखर चुकी हैं और उन्हें समेटना अब केजरीवाल के बस की बात नहीं लग रही। भारतीय राजनीति का यह शुक्रवार 'आम आदमी पार्टी' के इतिहास में हमेशा एक ऐसे मोड़ के रूप में याद किया जाएगा, जहां से वापसी का रास्ता बहुत धुंधला नजर आता है।

धर्मांतरण की आड़ में पनपता नया आतंक

–संजय सक्सेना–

धर्म के नाम पर होने वाला परिवर्तन अक्सर एक व्यक्तिगत आस्था का विषय माना जाता है, लेकिन जब यह आस्था किसी के हाथ में बंदूक थमा दे और उसे अपने ही देश के खिलाफ खड़ा कर दे, तो वह आस्था नहीं, बल्कि एक सुनियोजित राष्ट्रीय खतरा बन जाती है। उत्तर प्रदेश के मेरठ और नोएडा से हाल ही में सामने आई तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्लाह अली खान की कहानी महज एक धर्मांतरण का मामला नहीं है, बल्कि यह उस हाइब्रिड टेरर मॉडल का जीता–जागता सबूत है जिसे सीमा पार बैठी ताकतें अब भारत में 'आउटसोर्स' कर रही हैं। जिस लड़के की रगों में एक स्वतंत्रता सेनानी का खून दौड़ रहा था, जिसका परिवार पीढ़ियों से भारतीय सेना में रहकर देश की सीमाओं की रक्षा करता आया, उसी परिवार का बेटा कट्टरपंथ के इस डिजिटल मकड़जाल में फंसकर खुद को 'अल्लाह की फौज' यानी हिजबुल्लाह का सिपाही समझने लगा। यह घटना न केवल सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ाने वाली है, बल्कि समाज के उस हिस्से के लिए भी खतरे की घंटी है जो सोशल मीडिया की चकाचौंध में अपने बच्चों के बदलते व्यवहार को भांप नहीं पा रहे हैं।

आतंकवाद का यह नया मॉडल बेहद शातिर और घातक है। इसमें अब सीधे तौर पर हथियारबंद घुसपैठ की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने इस काम को शहजाद भट्टी जैसे गैंगस्टरों और कट्टरपंथी यूट्यूबर्स को सौंप दिया है। ये लोग सोशल मीडिया को एक भर्ती केंद्र की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। इनका शिकार वे युवा बन रहे हैं जो मानसिक रूप से थोड़े कमजोर हैं या जिन्हें ध ार्मिक कट्टरपंथ के नाम पर आसानी से बरगलाया जा सकता है। तुषार के मामले में भी यही हुआ। उसे पहले सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में लाया गया, फिर धीरे–धीरे उसके मन में मौजूदा व्यवस्था और अपने ही मूल धर्म के खिलाफ जहर भरा गया। ध र्मांतरण तो सिर्फ एक औपचारिकता थी, असली मकसद तो उसका ब्रेनवॉश करके उसे एक 'किलिंग मशीन' में तब्दील करना था। तुषार का तुषार से हिजबुल्लाह बनना यह दर्शाता है कि कट्टरपंथ की खुराक उसे इस कदर दी गई कि वह अपनी गौरवशाली पारिवारिक विरासत को भूलकर उन लोगों की जान लेने पर उतारू हो गया जो उसकी हिटलिस्ट में थे।

सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात इस आतंकी मॉडल की 'हिटलिस्ट' है। आमतौर पर आतंकी संगठनों के निशाने पर सुरक्षा बल या राजनेता होते हैं, लेकिन हिजबुल्लाह बने तुषार को जो काम सौंपा गया था, वह समाज को अंदर से खोखला करने वाला था। उसकी सूची में वे 'एक्स–मुस्लिम' शामिल थे जिन्होंने अपनी स्वतंत्र सोच से इस्लाम छोड़ दिया था। यह कट्टरपंथ का वह चरम है जहां व्यक्तिगत पसंद और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए कोई जगह नहीं बचती। अगर कोई अपनी मर्जी से जीवन जीना चाहे, तो उसे दुश्मन मान लिया जाता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो सामरिक रूप से दिल्ली के बेहद करीब है और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील माना जाता है, अब इस खतरनाक प्रयोग की प्रयोगशाला बनता जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में बिजनौर, गाजियाबाद, मेरठ और हापुड़ से हुई गिरफ्तारियां बताती हैं कि आईएसआई का स्लीपर सेल नेटवर्क अब डिजिटल माध्यमों से जमीनी स्तर पर अपनी जड़ें फैला चुका है।

इस पूरे प्रकरण में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या हमारा सामाजिक ताना–बाना इतना कमजोर हो गया है कि कोई बाहरी ताकत चंद वीडियो और तकरीरों के जरिए हमारे युवाओं को देशद्रोही बना सकती है? तुषार के पिता और उसकी मां का रोना इस बात की गवाही है कि उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका बेटा कब उनके हाथों से फिसलकर अंधेरी गलियों में जा पहुंचा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का इलाका, जहां की कृ षि और सेना में भागीदारी की कहानियां प्रसिद्ध रही हैं, वहां सोलर सीसीटीवी कैमरों के जरिए जासूसी करना और संवेदनशील ठिकानों की रेकी करना एक नए तरह के युद्ध का संकेत है। यह युद्ध सीमाओं पर नहीं, बल्कि मोबाइल स्क्रीन और बंद कमरों में लड़ा जा रहा है।

धर्मांतरण और आतंक के इस गठजोड़ को समझने के लिए हमें उस मानसिकता की गहराई में जाना होगा जो धर्म को एकता के बजाय विभाजन का औजार बनाती है। जहां एक ओर मणिपुर और मिजोरम के बनेई मेनाशे समुदाय के लोग हजारों सालों तक भारत में रहने के बावजूद अपनी परंपराओं को सहेजते हुए आज अपने मूल देश इजरायल लौ ऐसे आतंकी मॉडल के पीछे भाग रहे हैं जिसका भारत से कोई लेना–देना नहीं है। यहट रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तुषार जैसे लोग हैं जो अपनी मिट्टी और परंपरा से कटकर एक वैचारिक कमजोरी और अपनी जड़ों से कटने का परिणाम है। सुरक्षा एजेंसियां तो अपना काम करेंगी ही, लेकिन अब वक्त आ गया है कि समाज और परिवार भी अपने बच्चों की डिजिटल गतिविधियों और अचानक आने वाले व्यवहारिक बदलावों को लेकर सतर्क हों। तुषार का हिजबुल्लाह बनना महज एक गिरफ्तारी नहीं है, बल्कि यह हमारी उस सामूहिक विफलता का आईना है जिसे अगर वक्त रहते नहीं सुधारा गया, तो ध र्मांतरण की यह आड़ आने वाले समय में और भी कई परिवारों को उजाड़ देगी। आतंक का यह आउटसोर्स मॉडल जितना अदृश्य है, उससे कहीं ज्यादा यह हमारे भविष्य के लिए घातक है।

राजनीति में जहरीली होती जुबान

–रोहित कौशिक –

> इस दौर में साम्प्रदायिक राजनीति को ही असली राजनीति समझ लिया गया है। यही कारण है कि धर्म के नाम पर राजनीति में इंसानियत खत्म होती जा रही है। राजनीति के इस नकारात्मक भाव के लिए आम जनता में भी कोई हलचल या गुस्सा नहीं है। आम जनता ने इसे ही अपनी नियति समझ लिया है, बल्कि कई बार तो आम जनता राजनीति की बदलती धारा में स्वयं ही शामिल हो जाती है। यही कारण है कि इस दौर में मूल समस्याओं के लिए होने वाले आन्दोलन कमजोर हो गए हैं। कुछ कुटिल राजनेता और समाज के कुछ ठेकेदार मिलकर एक ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों और धर्मों के लोगों के बीच आपसी विश्वास कम हुआ है।

हाल ही में 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में जुबानी तीर भी खूब चले। जुबानी तीर जब भाषा की मर्यादा लांघ जाएं तो राजनेताओं को यह सोचने की जरूरत है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। देश और दुनिया में पिछले 10 साल से राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है। लगातार भाषा की मर्यादाएं लांघी जा रही हैं। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु में प्रधानमंत्री को कथित तौर पर आतंकवादी कहा। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी लोगों और राजनीतिक पाध्टयों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वे आतंकवादी हैं। ई.डी., आयकर विभाग और सी.बी.आई. छापेमारी कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री को आतंकी कहने के मामले में चुनाव आयोग से खरगे की शिकायत की थी। इसके बाद महाराष्ट्र के मंत्री नीतिश राणे ने कहा कि इस देश में सिर्फ एक आतंकवादी है और वो है राहुल गांधी, जो पाकिस्तान की भाषा बोलता है। इसके साथ ही एक चुनावी रैली में गृहमंत्री अमित शाह ने भी ममता बनर्जी के लिए गलत लहजे में बात की।

अगर हम पिछले 4–5 महीने के राजनेताओं के वक्तव्यों पर गौर करेंगे तो गंदी भाषा के अनेक उदाहरण सामने आ जाएंगे। सार्वजनिक जगहों पर यह गंदी भाषा वे लोग बोल रहे हैं, जो अपनी अपनी पार्टी में या फिर सरकार में जिम्मेदार पदों पर हैं। सवाल यह है कि क्या गंदी भाषा के बिना राजनीति नहीं हो सकती? मल्लिकार्जुन खरगे एक वरिष्ठ राजनेता हैं और देश की सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष हैं। क्या उन्हें प्रध ानमंत्री को आतंकवादी कहना शोभा देता है? इस मुद्दे पर कांग्रेस के समर्थक यह कह सकते हैं कि भाजपा के लोग सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बारे में अक्सर गंदी भाषा का इस्तेमाल करते रहते हैं। पं. नेहरू को भी बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इसलिए अगर खरगे ने प्रधानमंत्री के बारे में गलत शब्द बोल दिया तो क्या हो गया। तो क्या इस आधार पर मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना उचित है? निश्चित रूप से नहीं। अगर दूसरों के संस्कार ठीक नहीं, तो क्या हमें भी अपने संस्कार उन जैसे ही कर लेने चाहिएं?

निश्चित रूप से पं. नेहरू, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बारे में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में भी आपत्तिजनक भाषा बरती जाती है। कई बार कांग्रेस भी भाजपा को स्वयं ही एक मुद्दा पकड़ा देती है और भाजपा कई दिनों तक उस पर उछल–कूद करती रहती है। सवाल यह नहीं कि किस राजनीतिक दल के नेता ने कब किस प्रकार की अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, सवाल यह है कि अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया ही क्यों गया? इस दौर में राजनेता जोश और अतिरेक में आकर राजनीति की मूल भावना को तिलांजलि दे रहे हैं। राजनीति अपनी ठसक या हनक दिखाने का माध्यम बना दी गई है।

राजनेताओं को यह समझना चाहिए कि राजनीति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होता लेकिन इस दौर की राजनीति में राजनेताओं में अहंकार बढ़ता जा रहा है। यहां बात भाजपा, कांग्रेस या फिर किसी एक दल की नहीं, सभी राजनेताओं के संस्कार की है। तो क्या आज की राजनीति संस्कारहीन हो गई है? कुछ भी हो, राजनेताओं को भाषा की मर्यादा का ख्याल तो रखना ही चाहिए। तभी वरिष्ठ राजनेता नई पीढ़ी के राजनेताओं को राजनीति का सही पाठ पढ़ा और राजनीतिक शुचिता को भी महत्व दे पाएंगे। राजनीति में स्वयं को ईमानदार और दूसरों को पापी साबित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो राजनीति के मूल चरित्र को कठघरे में खड़ा कर रही है। इस दौर में मुद्दों पर बात कम हो गई है और व्यक्तिगत बातों पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। इस सारी प्रक्रिया में सबसे दुखद यह है कि धीरे–धीरे राजनीति में नफरत की भावना बढ़ती जा रही है।

इस दौर में साम्प्रदायिक राजनीति को ही असली राजनीति समझ लिया गया है। यही कारण है कि धर्म के नाम पर राजनीति में इंसानियत खत्म होती जा रही है। राजनीति के इस नकारात्मक भाव के लिए आम जनता में भी कोई हलचल या गुस्सा नहीं है। आम जनता ने इसे ही अपनी नियति समझ लिया है, बल्कि कई बार तो आम जनता राजनीति की बदलती धारा में स्वयं ही शामिल हो जाती है। यही कारण है कि इस दौर में मूल समस्याओं के लिए होने वाले आन्दोलन कमजोर हो गए हैं। कुछ कुटिल राजनेता और समाज के कुछ ठेकेदार मिलकर एक ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों और धर्मों के लोगों के बीच आपसी विश्वास कम हुआ है। सवाल यह है कि राजनीति की यह बदलती प्रवृत्ति क्या भविष्य में हमें अंधकार की तरफ धकेल रही है? ऐसे ही अनेक प्रश्नों पर गंभीरता के साथ का समय अब आ गया है।

ट्रैक्टर पलटा, जिंदा जला चालक, शॉर्ट सर्किट से लगी आग

संवाददाता—गोण्डा। खोड़ारे थाना क्षेत्र में रविवार सुबह 8 बजे ईंट भट्ठे पर काम कर रहे ट्रैक्टर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग इतनी तेज थी कि मौके पर मौजूद लोग चाहकर भी चालक को बाहर नहीं निकाल सके। बाद में जेसीबी मशीन की मदद से ट्रैक्टर के नीचे दबे चालक को बाहर निकाला गया। बाहर निकाले जाने तक चालक पूरी तरह से जल गया था। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि ट्रैक्टर पलटा हुआ है। ट्रैक्टर से आग की लपटें निकल रही हैं। आसपास कई लोग खड़े हैं, लेकिन कोई आगे नहीं बढ़ रहा। घटना कुकनगर ग्रांट भरपूरवा स्थित रत्न ब्रिक फील्ड की है। बस्ती के गौर थाना क्षेत्र के बेलवरिया जंगल निवासी 36 वर्षीय राकेश उर्फ धनु गोंडा में मजदूरी करते थे। वह कुकनगर ग्रांट भरपूरवा स्थित रत्न ब्रिक फील्ड में ट्रैक्टर चालक के रूप में कार्यरत थे। वह रविवार सुबह रोजाना की तरह काम पर निकले। 8 बजे ईंट भट्ठे पर अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। पलटने के बाद शॉर्ट सर्किट के चलते उसमें आग लग गई। देखते—देखते कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह काम के दौरान ट्रैक्टर अचानक असंतुलित होकर पलट गया। इसी बीच उसमें शॉर्ट सर्किट हो गया और आग भड़क उठी। चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया और आग इतनी तेजी से फैल गई कि मौके पर मौजूद लोग चाहकर भी उसे बाहर नहीं निकाल सके। घटना की सूचना मिलते ही खोड़ारे थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जेसीबी मशीन की मदद से ट्रैक्टर के नीचे दबे चालक को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा—तफरी का माहौल बन गया। थानाध्यक्ष कृष्ण गोपाल राय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ट्रैक्टर पलटने के बाद शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

मजदूर का शव पोखरे में मिला

संवाददाता—देवरिया। जिले के सुरौली थाना क्षेत्र के भरौली गांव में सोमवार दोपहर एक मजदूर का शव गांव के दक्षिण स्थित पोखरे में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान भरौली निवासी योगेंद्र विश्वकर्मा (33) पुत्र स्वर्गीय सुखदेव के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि योगेंद्र रविवार देर रात शौच के लिए घर से निकले थे, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटे। इसके बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका था। रविवार दोपहर गांव के दक्षिण दिशा में स्थित पोखरे में ग्रामीणों ने एक शव उतराता हुआ देखा। पास जाकर पहचान करने पर पता चला कि यह शव योगेंद्र विश्वकर्मा का है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। योगेंद्र विश्वकर्मा मजदूरी करके अपने परिवार का भरण—पोषण करते थे। उनकी पत्नी सविता देवी और बच्चे श्वेता, तनु, आरुषी, खुशी तथा युवराज गहरे सदमे में हैं। परिवार पर अचानक यह विपत्ति आ गई है। सूचना मिलने पर सुरौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोखरे से बाहर निकलवाकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव में इस घटना के बाद शोक का माहौल है।

पासिंग आउट दीक्षांत परेड में 395 रिक्रूट आरक्षियों ने ली शपथ

संवाददाता—कुशीनगर। रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार को प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर दीक्षांत परेड समारोह आयोजन किया गया। पासिंग आउट दीक्षांत परेड समारोह में शामिल 395 रिक्रूट आरक्षियों ने पूरे जोश व उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक सीआईडी लखनऊ अशोक कुमार चतुर्थ ने एसपी केशव कुमार के उपस्थिति में दीक्षांत परेड का मान—प्रणाम ग्रहण किया व दीक्षांत परेड समारोह का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल माध्यम से प्रदेशभर में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले लगभग 60,244 प्रशिक्षुओं को आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं दी। इसके बाद मुख्य अतिथि व एसपी ने रिक्रूट आरक्षियों को ईमानदारी एवं परिश्रम का पाठ पढाते हुए बताया कि पुलिस बल का हिस्सा बनने के बाद आपकी समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। जीवन में अनुशासन सफलता का मूल मंत्र है। बताचा कि पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण लखनऊ द्वारा 21 जुलाई 2025 को प्रदेश के 112 प्रशिक्षण केंद्रों में करीब 60,244 प्रशिक्षुओं का आधारभूत प्रशिक्षण शुरू कराया गया था। कुशीनगर में एसपी के कुशल निर्देशन में कुल 395 रिक्रूट आरक्षियों ने प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आंतरिक एवं बाह्य विषयों का प्रशिक्षण पूरा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक दक्षता, कानून की जानकारी, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता, हथियार संचालन, ड्रिल और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया गया। आरटीसी कुशीनगर में विभिन्न विषयों के लिए 03 निरीक्षक, 04 उपनिरीक्षक व 01 कम्प्यूटर अध्यापक तथा बाह्य विषयों के लिए 14 आईटीआई व 07 पीटीआई द्वारा प्रशिक्षण कार्य पूरा किया गया। मुख्य अतिथि ने अन्तः कक्ष परीक्षा के सभी समूहों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षु व सर्वांग सर्वोत्तम प्रशिक्षु कुंवर प्रताप सिंह व बाह्य कक्ष परीक्षा के सभी समूहों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षु आनन्द कुमार यादव समेत अन्य प्रशिक्षुओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

गोदाम से सिलिंडर देकर ले रहे होम डिलीवरी चार्ज, बिना सर्विस दिए कस्टमर्स से वसूले 50 लाख

संवाददाता—गोंडा। डेढ़ माह से गैस एजेंसियां सिलिंडर की किल्लत के नाम पर उपभोक्ताओं की जेब काट रही हैं। नियमानुसार घर सिलिंडर पहुंचाने के बाद होम डिलीवरी चार्ज लेना है लेकिन गैस एजेंसियां गोदाम व कार्यालय पर सिलिंडर देने के बाद भी उपभोक्ताओं से घर पहुंचाने का शुल्क (होम डिलीवरी चार्ज) वसूल रही हैं।

45 दिनों में ढाई लाख उपभोक्ताओं ने खुद गोदाम व कार्यालय जाकर सिलिंडर लिया लेकिन उनसे 50 लाख रुपये होमडिलीवरी शुल्क भी वसूल लिया गया। इसके बावजूद पूर्ति विभाग के अधिकारी एजेंसियों की न तो मनमानी पर रोक लगा पा रहे हैं और न ही वसूली पर। घरेलू गैस सिलिंडरों की किल्लत अब भी थमी नहीं है। उपभोक्ता सिलिंडर के लिए गोदाम से लेकर कार्यालय तक चक्कर काट रहे है, लेकिन जब यह उन्हें मिलता है तो वे ठगे रह जाते हैं। कारण सिलिंडर रिफिल शुल्क के साथ होम डिलीवरी शुल्क जोड़कर देना पड़ रहा है।

मार्च के प्रथम सप्ताह से शुरू हुई सिलिंडरों की किल्लत का आलम यह है कि गैस एजेंसियों पर सिलिंडर लेने के लिए उपभोक्ता कई दिन तक चक्कर काटते हैं। कभी सिलिंडर जमा करने तो कभी सिलिंडर लेने के नाम पर एजेंसी वाले जहां भी कहते हैं,उपभोक्ता वहां पहुंच जा रहे हैं। इसके बाद भी एजेंसियों को उन पर तरस नही आ रहा है,वे उनकी जेब खाली करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।

जिन उपभोक्ताओं ने एजेंसियों के गोदामों व कार्यालयों से जाकर सिलिंडर लिया, उनसे भी होम डिलीवरी शुल्क ले लिया गया। केशवपुर पहड़वा के दिनेश गुप्ता ने बताया कि सिलिंडर गोदाम से जाकर लिया है, लेकिन पर्ची में होम डिलीवरी शुल्क जोड़कर ले लिया गया। बाबागंज के राम किशुन ने बताया कि तीन बार दौड़ने के बाद गैस सिलिंडर मिला। साथ में शुल्क पर्ची मिली,उसमें घर पहुंचाना दिखाकर होम डिलीवरी चार्ज ले लिया।

प्रति सिलिंडर 20 से 30 रुपये अधिक वसूली पर पूर्ति विभाग के अधिकारी भी चुप्पी साधे हुए हैं। 45 दिन से चल रहे इस मनमानी के शिकार ढाई लाख से अधिक उपभोक्ता हुए,जिन्होंने सिलिंडर तो गैस एजेंसी के गोदाम व कार्यालय से लिया लेकिन,शुल्क उन्हें होम डिलीवरी का देना पड़ा। जिला पूर्ति अधिकारी कुंवर दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि इस तरह की शिकायत अब तक नही आई है फिर भी एजेंसियों को निर्देश दिया जाएगा कि वे मनमानी न करें।

छोटी गंडक नदी में नहाते समय दो किशोरों की डूबकर मौत

संवाददाता—देवरिया। देवरिया जिले के भाटपाररानी क्षेत्र में रविवार की दोपहर छोटी गंडक नदी के चनुकी घाट पर नहाते समय दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। मौके पर मौजूद अन्य साथी घबराकर शोर मचाते हुए फरार हो गए। काफी तलाश के बाद किशोरों के शव बरामद हुए। दोनों किशोर बनकटा थाना क्षेत्र के कोठिलवा गांव के रहने वाले थे। हादसे की जानकारी मिलते ही उनके घरों में कोहराम मच गया। रविवार दोपहर तीन—चार किशोर छोटी गंडक नदी के चनुकी घाट पर स्नान कर रहे थे। उसी दौरान दो किशोर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

उन्हें डूबता देख अन्य साथियों ने शोर मचाया। आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने काफी तलाश के बाद दोनों किशोरों को बरामद किया लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी। बरामद किशोरों की पहचान अतुल कुशवाहा (15) पुत्र रामसेवक कुशवाहा और किशन गुप्ता (14) पुत्र रंजीत गुप्ता निवासी कोठिलवा बनकटा के रूप में हुई। घटना की जानकारी पुलिस ने उनके परिजनों को दी तो घर में कोहराम मच गया।थानाध्यक्ष भाटपाररानी अभिषेक राय ने बताया कि नहाते समय दो किशोरों की डूबने से मौत हुई है। शवों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पिता से विवाद का बदला बच्ची से लिया, बीच रास्ते चेहरे पर गर्म चटनी फेंक कर जलाया

संवाददाता—देवरिया। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के मझौलीराज उपनगर के न्यू कालोनी किला चौराहा में मामूली विवाद को लेकर एक मासूम पर ठेला दुकानदार की पत्नी ने टमाटर की गर्म चटनी फेंक दी, जिससे बच्ची का चेहरा झुलस गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। बच्ची के पिता ने इस मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी है। उपनगर मझौलीराज वार्ड नंबर पांच मिश्र टोला निवासी चंद्रभूषण तिवारी पुत्र सत्यदेव तिवारी एक निजी विद्यालय में वाहन चलाते हैं।

उनका घर मजार के पीछे नदी किनारे एकांत में है। इसकी वजह से वार्ड नंबर 12 न्यू कालोनी किला चौराहा के पास किराए की मकान में रहते हैं। परिवार में पत्नी व तीन बेटी काजल, भूमि व आराध्या हैं। उसी मकान में कई अन्य किराएदार भी रहते हैं। बगल के एक किराएदार से आए दिन विवाद होता रहता है। वह ठेला पर चाट की दुकान लगाता है। चंद्रभूषण तिवारी का आरोप है कि 23 अप्रैल को दोपहर में दूसरे कमरे से उनकी बच्ची आराध्या आ रही थी। इसी बीच कहासुनी की रंजिश को लेकर ठेला दुकानदार की पत्नी ने टमाटर की गर्म चटनी आराध्या के ऊपर फेंक दिया, जिससे उसका चेहरा झुलस गया।

बच्ची चीखते—चिल्लाते भाग कर मां के पास पहुंची तो उसकी हालत देख परिजन परेशान हो गए। आनन—फानन बच्ची को लेकर हरैया वार्ड स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां भर्ती कर उसका इलाज चल रहा है। चंद्रभूषण तिवारी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में सलेमपुर कोतवाली के एसएसआई राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांच की जा रही है। मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

उपनगर मझौलीराज के शंकर नगर वार्ड में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। अनिकेश कुमार (12) पुत्र रविशंकर प्रसाद के घर पर किसी मंदिर में चढ़ावे के लिए पूड़ी बनाई जा रही थी। इसी दौरान अचानक कढ़ाही में खौलता तेल उछलकर किशोर के चेहरे पर गाल और दाहिने पैर पर गिर गया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। घटना के बाद परिजन आनन—फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर ले गए, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देख उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

2,162 अभ्यर्थियों ने छोड़ी यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षाः गोंडा के 14 केंद्रों पर 8878 ने दी परीक्षा

संवाददाता—गोंडा। जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। दो पालियों में कुल 11040 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी, जिसमें से 8878 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। इस प्रकार, 2162 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। प्रथम पाली में 5520 में से 4440 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1080 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में भी 5520 में से 4438 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और 1082 ने परीक्षा छोड़ी। परीक्षा के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। गोंडा की डीएम प्रियंका निरंजन, एसपी विनीत जायसवाल, आईजी अमित पाठक, एडिशनल एसपी पश्चिमी राधेश्याम राय, एडिशनल एसपी पूर्वी अजीत कुमार रजक और सभी सीओ ने लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए गए थे कि किसी भी अभ्यर्थी का कलावा या महिला अभ्यर्थी का मंगलसूत्र न उतरवाया जाए। इन निर्देशों का पालन किया गया। रविवार को यह परीक्षा का दूसरा दिन था। सोमवार, 27 अप्रैल को भी 14 परीक्षा केंद्रों पर 11040 अभ्यर्थियों द्वारा दो पालियों में परीक्षा दी जाएगी। इसके साथ ही गोंडा में तीन दिवसीय, छह पालियों में आयोजित यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा संपन्न हो जाएगी। गोंडा पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि रविवार को भी 14 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी गई। कुल 33120 अभ्यर्थियों को तीन दिनों में परीक्षा देनी थी, और सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

नारेबाजी के बीच तपती धूप में भाजपाइयों ने निकाली जनाक्रोश रैली, विपक्ष को कोसा

संवाददाता—महराजगंज। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाले कांग्रेस, सपा, टीएमसी और डीएमके समेत इंडी गठबंधन के दलों के खिलाफ रविवार को चिलचिलाती धूप में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से जनाक्रोश रैली निकाली गई। क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय एवं राज्य महिला आयोग सदस्य रीतू शाही की अगुवाई में निकली रैली में शामिल महिलाओं ने सरकार के समर्थन में और विपक्ष के विरोध में जोरदार नारेबाजी की। विपक्ष को खूब कोसा और महिला विरोध बताया।रैली जिला पंचायत परिसर से प्रारंभ होकर शहर के सक्सेना तिराहे पर जाकर समाप्त हुई। इस दौरान महिलाओं के सम्मान में भाजपा मैदान में और इंडी गठबंधन मुर्दाबाद जैसे नारों से पूरा माहौल गूंजता रहा।रैली में शामिल महिलाओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष

सहजानंद राय ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल शुरू से ही महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर दोहरा रवैया अपनाते रहे हैं। राज्य महिला आयोग सदस्य रीतू शाही ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग इस कानून का विरोध कर रहे हैं, वे महिलाओं की प्रगति के रास्ते में बाधा उत्पन्न करना चाहते हैं। इस दौरान जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय उर्फ संजय पांडेय, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, जिला महामंत्री बबलू यादव, मधुर सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि राजेश जायसवाल, प्रमुख सोनी कश्यप, चेयरमैन शकुंतला जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा डॉ. फरीदा ईरम, वंदना तिवारी, कमलेश जायसवाल, प्रज्ञा मिश्रा, जिला मंत्री दिनेश जायसवाल, बैजनाथ पटेल, आकाश श्रीवास्तव, आकाश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जो आप पार्टी में लोग बचे हुए हैं, जल्दी बीजेपी में शामिल हो जाएंगे —दारा सिंह चौहान

संवाददाता—गोण्डा। कारागार कैबिनेट व प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान रविवार को एक दिवसीय दौरे पर गोंडा पहुंचे उन्होंने टाउन हॉल में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम और श्महिला शक्ति वंदनश कार्यक्रम में हिस्सा लिया है। इस दौरान, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और अन्य नेताओं के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह आप में टूटन नहीं, बल्कि पूरी तरह से विद्रोह है। चौहान ने दावा किया कि जो लोग आप में बचे हैं, वे भी जल्द ही भाजपा में शामिल हो जाएंगे। महिला आरक्षण विधेयक के लोकसभा में पारित न होने के मुद्दे पर दारा सिंह चौहान ने

कहा कि सरकार चाहती है कि देश की आधी आबादी महिलाओं को देश के विकास और कानून निर्माण में हिस्सेदारी मिले। उन्होंने बताया कि सरकार इस संबंध में संसद में विधेयक लाई थी। चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, सपा और अन्य विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान ये दल महिलाओं के सामने पूरी तरह बेनकाब हो गए। जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक गिरा, तो विपक्षी दलों ने मेज थपथपाकर खुशी मनाई, जिससे देश की महिलाओं में गुस्सा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि मोहन भागवत उनके आदर्श हैं। उन्होंने देश की रक्षा और सुरक्षा के लिए जवानों के बलिदान का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के लिए देश सर्वोपरि है। चौहान के अनुसार, भागवत ने देश की सुरक्षा, विकास, सम्मान और विश्व गुरु बनाने के उद्देश्य से यह बात कही है। चार बच्चे पैदा करिए एक आरएसएस को दे दीजिए इसको लेकर के प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह तो हमेशा हमारे महापुरूषों ने भी और जितने भी लोगों ने हमारे इस देश को देश प्रथम की बात कहते हैं।

महिला आरक्षण बिल पर भाजपा का प्रदर्शन

संवाददाता—गोण्डा। महिला आरक्षण विधेयक पारित न होने को लेकर महिलाओं में आक्रोश है। इसी क्रम में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में हजारों महिलाओं ने गोंडा के गांधी पार्क से लाल बहादुर शास्त्री चौराहे तक श्जन आक्रोश महिला पदयात्राश निकाली। इस दौरान विपक्षी दलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

पदयात्रा के दौरान महिलाओं ने श्महिलाओं के अधिकारों पर वार, सपा कांग्रेस हैं जिम्मेदारश जैसे नारे लगाए। उन्होंने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को महिला विरोधी बताते हुए उनके खिलाफ मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं भी शामिल थीं।

गोंडा भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बीना राय ने कहा कि जब भी महिलाओं के हक और अधिकार की बात आई है, इन पार्टियों ने उसका विरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में महिला संशोधन बिल का विरोध इसलिए किया गया ताकि अधिक से अधिक महिलाएं सांसद और विधायक न बन सकें। राय ने कहा कि ये पार्टियां महिला विरोधी हैं और वे घर—घर जाकर महिलाओं को इन पार्टियों के रवैये के बारे में बताएंगी।

लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय की उपाध्यक्ष वर्षा सिंह ने कहा कि विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकारों को खत्म करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को अधिकार देने का समय आया, तो इन पार्टियों ने संसद के अंदर इसका विरोध किया। इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

आधी आबादी की नजरों में हमेशा के लिए गिर गए विपक्षी दल —सहजानंद

संवाददाता—महराजगंज। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए इन महिला विरोधी ताकतों के खिलाफ दृढ़ता से लड़ाई लड़ेगी। कहा कि 16 और 17 अप्रैल को संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक पर हुई चर्चा देश के लोकतांत्रिक भविष्य और महिलाओं की भागीदारी से जुड़ा एक ऐतिहासिक अवसर था। लेकिन इन दो दिनों में केवल एक विधेयक ही सदन में नहीं गिरा, बल्कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके देश की आधी आबादी की नजरों में हमेशा के लिए गिर गए।

वे रविवार को यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे।उन्होंने कहा कि 16 और 17 अप्रैल को संसद में पूरे देश ने जो शर्मनाक, अलोकतांत्रिक और महिला—विरोधी आचरण विपक्षी गठबंधन का देखा, उसकी कड़ी निंदा की जाती है। उन्होंने कहा कि इन दलों ने केवल संवैधानिक संशोधन या परिसीमन से जुड़े विधेयकों का विरोध नहीं किया, बल्कि भारत की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के साथ विश्वासघात किया है। महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने की इस साजिश में समाजवादी पार्टी ने भी धर्म आधारित आरक्षण की असंवैधानिक मांग उठाकर खतरनाक कदम उठाया है, जबकि भारत का संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को स्वीकार नहीं करता। टीएमसी की भी पोल खुल गई है, जो पार्टी अपने राज्य में महिलाओं की आवाज को हिसा के जरिए दबाती है, वही संसद में लोकतंत्र की बात कर रही थी। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष यह नजरअंदाज कर रहा है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का क्रियान्वयन सीधे परिसीमन से जुड़ा है। इन विधेयकों का विरोध करना वास्तव में महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने का प्रयास है। विपक्ष को लगता है कि वह तकनीकी बहानों से जनता को भ्रमित कर सकता है, लेकिन आज की महिलाएं सब समझती हैं।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, जिला प्रभारी राम जियावन मौर्य, महिला आयोग की सदस्य रीतू शाही, जिला उपाध्यक्ष डॉ. फरीदा ईरम, वंदना तिवारी, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, जिला महामंत्री बबलू यादव आदि मौजूद रहे।

विधायक ने समता सम्मेलन में लोगों को किया जागरुक

संवाददाता—देवरिया। अपना दल (कमेरावादी) का मंडलीय समता सम्मेलन रविवार को शहर के शुगर मिल के समीप स्थित एक मैरिज हॉल में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने भाग लिया और यूजीसी विनियम 2026 को लेकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को मजबूत करने का आह्वान किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने संसदीय समिति और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के आधार पर देश की जनता को यूजीसी से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधान दिए थे। हालांकि, बाद में इसे साजिश के तहत कमजोर करने और फाइलों में दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था समाज के वंचित, पिछड़े, दलित, महिलाओं और मुख्यधारा से दूर वर्गों को शिक्षा और अवसरों में समान भागीदारी दिलाने के उद्देश्य से लाई गई थी। उच्च शिक्षा संस्थानों में होने वाले भेदभाव को समाप्त करने और विद्यार्थियों की सुरक्षा, शिक्षा तथा भविष्य की गारंटी सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था बेहद जरूरी थी। डॉ. पटेल ने कहा कि इस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू नहीं किए जाने से सामाजिक समानता की दिशा में बड़ा नुकसान हुआ है। अब समाज और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे गांव—गांव और जनपदों में जाकर लोगों को इसके महत्व के बारे में बताएं और समर्थन जुटाएं। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि समाज के लोगों को इसके लिए जागरूक होना पड़ेगा।

बाल श्रम—बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प

संवाददाता—श्रावस्ती। गिलौला में बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश और मिशन वात्सल्य कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण चौपाल आयोजित की गई। इसका उद्देश्य जिले को बाल विवाह और बाल श्रम से मुक्त बनाना था।

इस चौपाल में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके समग्र विकास पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेष रूप से बाल श्रम उन्मूलन तथा 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में शत—प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

अधिकारियों और समिति सदस्यों ने निर्णय लिया कि ग्राम स्तर पर विद्यालय से बाहर रहने वाले और बाल श्रम में लगे बच्चों की पहचान की जाएगी। इसके बाद उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में बीओसीडब्ल्यू योजना के तहत श्रमिक परिवारों के लिए ई—श्रम कार्ड बनवाने पर भी बल दिया गया, ताकि जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल सके। साथ ही, बाल विवाह की रोकथाम के लिए जन—जागरूकता बढ़ाने और मैरिज व माइग्रेशन रजिस्टर में समय पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ब्रिटिश मौलाना के मदरसे पर चला बुलडोजर, एसडीएम के सामने ढहाया गया अवैध निर्माण

संवाददाता–संतकबीरनगर। रविवार को खलीलाबाद के मोतीनगर में अवैध ढंग से बनाए गए ब्रिटिश मौलाना के मदरसे को ढहाने की कार्रवाई शुरू कर दी। एसडीएम, सीओ व अन्य अधिकारियों की अगुवाई में जेसीबी लगाकर भवन को तोड़ा जा रहा रहा है। ब्रिटेन की नागरिकता लेने के साथ मौलाना शमशुल हुदा खान ने विदेशी फंडिग के साथ मोतीनगर मोहल्ले में गाटा संख्या 154 की 640 वर्ग मीटर भूमि पर मदरसे का निर्माण कराया था। इसका संचालन कुल्लियातुल बनातिर रजबिया एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी द्वारा किया जा रहा था। मौलाना शमशुल हुदा के विवादित होने व मुकदमा दजर होने के बाद एसडीएम सदर की जांच में मदरसे का निर्माण अवैध पाया गया। एसडीएम ने मदरसे की भूमि को राजस्व संहिता के तहत राज्य सरकार में निहित कर दिया था। भवन का मानचित्र को स्वीकृति न मिलने के बाद भी भवन का निर्माण करा दिया गया था। निर्माण को अवैध बताते हुए एसडीएम ने मदरसा ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ सोसायटी ने डीएम के यहां अपील की थी। डीएम ने भी निगरानी याचिका खारिज कर एसडीएम के फैसला बरकरार रखा था। इस आदेश के खिलाफ भी सोसायटी की तरफ से कमिश्नर के यहां निगरानी याचिका दाखिल की थी। कमिश्नर ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने व अभिलेखों के निरीक्षण के बाद निगरानी याचिका को खारिज कर दिया था। एसडीएम व डीएम के मदरसा ध्वस्तीकरण के फैसले को बरकरार रखा। कमिश्नर का फैसला आने के बाद उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय की अगुवाई में भारी फोर्स के साथ प्रशासनिक अमला जेसीबी मशीनों के साथ मोतीनगर मोहल्ले में पहुंचा। मदरसे के भवन को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं दूसरी ओर कन्नौज के पश्चिमी बाईपास स्थित निगम मंडी समिति में प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। मंडी सचिव श्रवण कुमार परमार के नेतृत्व में जेसीबी मशीन से कई दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। बताया जा रहा है कि मंडी परिसर में व्यापारियों द्वारा अवैध रूप से दुकानों का निर्माण किया गया था। इसको लेकर कई बार संबंधित व्यापारियों को हिदायत भी दी गई थी। मालूम हो की मंडी समिति द्वारा नई दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है जिसमें यह अवैध अतिक्रमण बाधा बना हुआ था। यह कार्रवाई भारी पुलिस बल के बीच की गई। कार्रवाई के दौरान मंडी परिसर में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। किसी भी विरोध की स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक टीम तैनात रही। बुलडोजर चलते ही दुकानदारों में हड़कंप मच गया।कार्रवाई के बाद व्यापारियों में भारी रोष देखने को मिल रहा है।

दुर्गा मंदिर परिसर के प्राचीन कुएं की सफाई की मांग

संवाददाता–गोरखपुर। जन कल्याण समिति शाहपुर आवास विकास कॉलोनी प्रथम गीता वाटिका गोरखपुर की बैठक रविवार को आजीवन सदस्य मेवा लाल निषाद के आवास मकान पर हुई। समिति के अध्यक्ष बृजेन्द्र स्वरूप जायसवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में दुर्गा मंदिर परिसर के प्रचीन कुएं की सफाई की पुरजोर मांग नगर निगम से की गई। बैठक में कॉलोनी की लम्बित विभिन्न समस्याओं मसलन मकान नंबर 227 और 268 के सम्मुख टूटे स्लैब को ठीक कराने, सप्लाई ऑफिस के सम्मुख वर्षों से बने नाले के ऊपर स्लैब लगाने, कॉलोनी में प्रस्तावित सामुदायिक भवन का शिलान्यास के बाद भी काम शुरू न किए जाने, कॉलोनी स्थित पोखरे के चारों तरफ वाटर सप्लाई की नई पाइपलाइन सड़क खोद कर डालने लेकिन क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत न किए जाने पर आक्रोश जताया गया। सबने एक स्वर में आक्रोश जताया कि कई बार शिकायत के बाद भी नगर निगम ने ध्यान नहीं दिया। बैठक में मेवालाल निषाद समिति के अध्यक्ष बृजेन्द्र स्वरूप जायसवाल का माला पहना अभिनंदन किया। बैठक में कार्यकारिणी सदस्य इं. अखिलेश्वर नाथ त्रिपाठी, गंगेश्वर प्रसाद पांडेय, जगदीश नारायण शुक्ला, अशोक कुमार नन्दी, विवेक कुमार गुप्ता, इं. एके त्रिपाठी, सी पी श्रीवास्तव, बटोही प्रसाद गौड, मेवा लाल निषाद, रमेश चंद्र, कुंज बिहारी गुप्ता, राजेश जायसवाल, संजय कुमार मिश्रा, मोती चंद गुप्त, रवि विश्वकर्मा समेत अन्य उपस्थित रहे। संचालन कोषाध्यक्ष गंगेश्वर प्रसाद पाण्डेय ने किया।

पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देश पर जनपद में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 का दूसरा चरण चलाया गया। इसका उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करना है। इस दौरान बेलहर थाने द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया गया। अभियान के तहत थाने की एंटी रोमियो टीमों ने बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं और आमजन को मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के बारे में जानकारी दी। टीमों ने महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम, उनके अधिकारों की रक्षा और आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 और बलइमतबतपउम.हवअ.पद पोर्टल जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के बारे में बताया गया। उन्हें इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के तहत, बेलहर थाने की एंटी रोमियो टीम ने रमवापुर पसनारा गांव में महिलाओं, बालिकाओं और स्कूली छात्राओं को पैम्फलेट वितरित कर जागरूक किया।

कांग्रेस अनुसूचित विभाग का बूथ स्तर तक होगा विस्तार

संवाददाता–गोरखपुर। चारु चंद्रपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस अनुसूचित विभाग के नव नियुक्त पदाधिकारियों का रविवार को भव्य स्वागत समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में पदाधिकारियों ने आंबेडकर चौक पहुंचकर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरांत कांग्रेस अनुसूचित प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव चंडिका प्रसाद भारीत, जिला अध्यक्ष पंकज पासवान, महानगर अध्यक्ष नवीन कुमार कनौजिया और सचिव सुभाष चंद्र दास का मार्ल्यापण कर अभिनंदन किया गया। पदाधिकारियों ने उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को आश्वस्त किया कि वे मिली जिम्मेदारी का तनमन से निवर्हन करेंगे।

महेंद्र मोहन गुड्डू तिवारी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान ने उपम्मीद जताई कि कांग्रेस की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए अनुसूचित विभाग का नया नेतृत्व मील का पत्थर साबित होगा। सोनू पासवान ने कहा अभिनंदन समारोह में उमड़ा पूर्व पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का उत्साह दर्शाता है कि कार्यकर्ता आने वाली चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार हैं।ये मौजूद रहेस्वागत करने वालों में स्नेहलता गौतम, चंद्र प्रकाश राय, अभिजीत पाठक, सोनू पासवान, अनुराग पांडेय, शंकर प्रसाद, मुरली प्रसाद, सच्चिदानंद, विजय राव, राधेश्याम सिंह, ध्रुव गुप्ता, अमित कुमार, संदीप पासवान, सुधांशु पाल, मुरली प्रसाद, गिरजा गौतम समेत अन्य उपस्थित रहे।

बीज–उर्वरक–कृषि रक्षा रसायन विक्रेता नए नियमों के खिलाफ आज बंद रखेंगे दुकानें

संवाददाता–गोरखपुर। ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन के आह्वान पर गोरखपुर जनपद के बीज, उर्वरक और कीटनाशक विक्रेता सोमवार को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। व्यापारियों ने इसे अपनी मांगों के समर्थन में एकजुटता का प्रदर्शन बताया है। ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलंत्री के आह्वान पर चल रहे राष्ट्रव्यापी अनिश्चितकालीन बंद के समर्थन में गोरखपुर जनपद में भी बीज, उर्वरक और कीटनाशक विक्रेता सोमवार को अपने प्रतिष्ठान बंद रखेंगे। गोरखपुर बीज–उर्वरक व्यापारी संघ गोरखपुर के जिला अध्यक्ष श्रद्धानन्द त्रिपाठी उर्फ उत्तम बाबा ने जनपद के सभी संबंधित व्यापारियों से अपील की है कि वे पूर्ण रूप से बंद का पालन करें।

उन्होंने कहा कि यह आंदोलन उर्वरक, बीज और कीटनाशक व्यापार से जुड़ी समस्याओं को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने व्यापारियों से संगठनात्मक एकता बनाए रखने, किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतने और जिला संगठन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने का आह्वान किया। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यह आंदोलन व्यापारियों की एकजुटता की परीक्षा है। सभी के सहयोग से ही समस्याओं का समाधान संभव है। संघ के उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, नवनीत जायसवाल, महामंत्री धर्मात्मा मद्धेशिया, महामंत्री मयंक त्रिपाठी, कृष्ण त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष संतोष मार्या ने रविवार को जनसंपर्क कर व्यापारियों को आंदोलन के समर्थन में दुकानें बंद रखने के लिए जागरुक किया।यह है व्यापारियों की मांगव्यापारियों की प्रमुख मांगों में सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग बिक्री बंद करना, यूरिया और एनपीके की डिलीवरी एफओआर आधार पर उपलब्ध कराना, डीलर मार्जिन को न्यूनतम 8 प्रतिशत करना, सैंपल फेल होने की स्थिति में कार्रवाई निर्माता कंपनी पर करना और' पोर्टल के माध्यम से बीज बिक्री को केवल कंपनी और डिस्ट्रीब्यूटर तक सीमित करना शामिल है।

सैकड़ों बोरी अनाज और हजारों बोरे गायब, होगी कार्रवाई

संवाददाता–गोरखपुर। सम्भागीय खाद्य विपणन अधिकारी केके सिंह द्वारा किए गए निरीक्षण में दो खरीद केंद्रों पर भारी अनियमितताएं उजागर हुई हैं। आकस्मिक जांच के दौरान अनाज और खाली बोरियां गायब मिली। इस संबंध में क्षेत्रीय प्रबंधक, पीसीयू को पत्र भेज कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पीसीयू के गेहूं क्रय केंद्र बी पैक्स केशवपुर (डोमहर माफी) के आकस्मिक निरीक्षण में पाया गया कि केंद्र पर कुल 186 कुंतल (372 बोरी) खरीद के सापेक्ष केवल 173 बोरी गेहूं ही स्टॉक में उपलब्ध था, जबकि 199 बोरी गेहूं गायब मिला। इसके अलावा केंद्र से 313 खाली पीपी बोरे और 400 खाली जूट बोरे भी अनधिकृत रूप से गायब मिले। अधिकारियों ने इसे केंद्र प्रभारी द्वारा दुर्विनियोग का मामला माना है। इसी तरह पीसीयू के ही एक अन्य गेहूं खरीद केंद्र वी–पैक्स वासिया के निरीक्षण में 1500 खाली उपयोगी जूट बोरे गायब पाए गए। इस मामले में भी केंद्र प्रभारी की भूमिका संदिग्ध मानी गई है।

पीएम मोदी ने राष्ट्र निर्माण पर विचार साझा किए

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश के 133वें संस्करण का प्रसारण हुआ। इसे बढ़नी ब्लॉक के ग्राम सभा मानपुर स्थित बूथ संख्या 72 पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने देखा व सुना।

इस अवसर पर बढ़नी मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार पाठक, बढ़नी ब्लॉक अध्यक्ष प्रतिनिधि सिद्धार्थ चौधरी, जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नारी सशक्तिकरण और युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए।

उन्होंने देशवासियों से छोटे–छोटे सकारात्मक प्रयासों के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बढ़नी मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार पाठक ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री के उदाहरण और अनुभव समाज के हर वर्ग को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि श्मन की बातश सुनते हुए सभी को राष्ट्रहित, सेवा, नवाचार और जनभागीदारी की प्रेरणा मिलती है।

362 सिपहियों की ट्रेनिंग पूरीः डीआईजी विजय ढुल ने कहा– पुलिस सेवा एक नौकरी नहीं, महत्वपूर्ण दायित्व है

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। रिजर्व पुलिस लाइन में सिपाहियों की ट्रेनिंग पूरी होने के बाद दीक्षांत परेड समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रयागराज कमिशनरेट के डीआईजी विजय ढुल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुल 362 रिक्रूट आरक्षियों ने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया।

जिले में कुल 332 पुरुष और 81 महिला रिक्रूट आरक्षियों ने प्रारंभिक प्रशिक्षण के लिए रिपोर्ट किया था। एक माह के प्रारंभिक प्रशिक्षण के उपरांत, 81 महिला आरक्षियों को आधारभूत प्रशिक्षण के लिए पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, गोरखपुर भेजा गया।

21 जुलाई 2025 से कुल 380 रिक्रूट आरक्षियों ने रिजर्व पुलिस लाइन, अम्बेडकरनगर में नौ महीने का आधारभूत प्रशिक्षण शुरू किया। इनमें 48 रिक्रूट आरक्षी बाराबंकी जेटीसी से और 332 रिक्रूट आरक्षी अम्बेडकरनगर जेटीसी से शामिल थे।

प्रशिक्षण अवधि के दौरान, 15 रिक्रूट आरक्षियों ने अन्य विभागों में चयन के कारण त्यागपत्र दे दिया, जबकि 3 आरक्षी परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए। इस प्रकार, कुल 362 रिक्रूट आरक्षियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया।

दीक्षांत परेड के बाद, जनपद को 324 पुरुष और 79 महिला आरक्षी मिलेंगे। ये सभी जल्द ही फील्ड पुलिसिंग में अपनी सेवाएं देना शुरू करेंगे। कार्यक्रम के दौरान, रिक्रूट आरक्षियों ने उत्कृष्ट परेड प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थित सभी अधिकारियों और अतिथियों ने सराहना की। मुख्य अतिथि डीआईजी विजय ढुल ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा, शांति और न्याय सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने सभी नवदीक्षित आरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

एसपी ने कहा, पुलिस सेवा समाज की सुरक्षा, न्याय और शांति बनाए रखने का एक पवित्र दायित्व है। उन्होंने आरक्षियों से कहा कि उनकी वर्दी केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि विश्वास, साहस और सेवा का प्रतीक है। उन्होंने नवदीक्षित आरक्षियों को सत्य, निष्ठा और निष्पक्षता के मार्ग पर चलने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यालय ग्राम सोनबरसा वि.खं. बहादुरपुर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **सोनबरसा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना ग्राम पंचायत मे वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **सोनबरसा** के निविदा बाक्स में दिनांक 03–05–2026 तक अपरान्ह 10:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 11:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 28–04–2026 से दिनांक 02–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **सोनबरसा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **सोनबरसा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **सोनबरसा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(श्रीमती ज्ञानमती) प्रधान ग्राम पंचायत–**सोनबरसा**

( ) सचिव ग्राम पंचायत–**सोनबरसा**

कार्यालय ग्राम कुसौरा वि.खं. बहादुरपुर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **कुसौरा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना ग्राम पंचायत मे वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **कुसौरा** के निविदा बाक्स में दिनांक 02–05–2026 तक अपरान्ह 10:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 11:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 28–04–2026 से दिनांक 01–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **कुसौरा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **कुसौरा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **कुसौरा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(श्री अरूण कन्नौजिया) प्रधान ग्राम पंचायत–**कुसौरा**

( ) सचिव ग्राम पंचायत–**कुसौरा**

कार्यालय ग्राम गाऊखोर वि.खं. साऊंघाट, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **गाऊखोर** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **गाऊखोर** के निविदा बाक्स में दिनांक 02–05–2026 तक अपरान्ह 10:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 11:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 28–04–2026 से दिनांक 01–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **गाऊखोर** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **गाऊखोर** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **गाऊखोर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(शशिकला) प्रधान ग्राम पंचायत–गाऊखोर

(सुशील कुमार चौधरी) सचिव ग्राम पंचायत–गाऊखोर

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com